हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

12 शहर में लगे कूड़े के ढेर, सफाई व्यवस्था चरमराई, सांस लेना हुआ दूभर

12 'ना गोरे का ना काले घनश्याम मुरली वाले का' भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

प्रशासनिक अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान, सरकार के दावे औंधे मुंह

धीमे उठान के कारण बोरियों से अटी अनाज मंडी किसान परेशान

बहादुरगढ़। रविवार को अनाज मंडी में जमा गेहूं की बोरियां।

- गेहूं डालने के लिए किसानों को जगह नहीं मिल रही
- प्रशासन त्वरित उठान करवाने में विफल रहा
- अचानक बरसात हो जाने से गेहूं खराब हो जाती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बहादुरगढ़

शासन-प्रशासन द्वारा अनाज मंडी से गेहूं उठान के नाम पर लंबे चौड़े दावे किए जा रहे हैं। हाल यह है कि रविवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में पैर रखने की जगह नहीं थी। अनाज मंडी व खरीद केंद्रों पर गेहूं की बोरियों के रैक लगे हुए हैं। गेहूं डालने के लिए किसानों को जगह नहीं मिल रही। बहादुरगढ़ अनाज मंडी में एक तरफ जहां किसानों को सुविधाएं नहीं मिल रही। वहीं दूसरी तरफ उन्हें गेहूं रखने के लिए जगह तक नहीं मिल रही। प्रशासन त्वरित उठान करवाने में विफल रहा है। शायद खुले आसमान के नीचे पड़े हजारों गेहूं के कट्टों की चिंता किसी को नहीं है। कोई प्रशासनिक अधिकारी इस गंभीर मामले की ओर ध्यान देता नजर नहीं आ रहा। सरकार और अधिकारियों ने गेहूं का उठान दूसरे दिन करने का दावा किया था, लेकिन सरकार के यह दावे औंधे मुंह गिर गए और उठान कछुए की रफ्तार से चल रहा है। ऐसे में अचानक बरसात हो जाने से गेहूं खराब हो जाती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? हालांकि अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही उठान कार्य में तेजी लाई जाएगी। मंडियों में जो गेहूं की आवक हुई है। उसका उठान जल्द से जल्द करवाया जाएगा।

पूर्व विधायक ने उठान पर सरकार को घेरा

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने अनाज मंडियों से फसल उठान में सरकार और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनके अनुसार खरीद के बाद भी उठान की व्यवस्था सही तरीके से नहीं हो पा रही है। मंडियों में गेहूं के ढेर लगे हुए हैं और मौसम में बदलाव के कारण हो रही बारिश से किसानों की फसल भीग रही है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मंडियों में पर्याप्त तिरपाल, भंडारण और उठान की व्यवस्था नहीं होने के कारण किसानों को अपनी फसल की सुरक्षा की चिंता सता रही है। उन्होंने प्रशासन से मंडियों में पड़ी गेहूं की फसल का तुरंत उठान करवाने और बारिश से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है।

जिले की मंडियों में 1 लाख 17 हजार 586 मीट्रिक गेहूं की हुई खरीद

झज्जर। जिले भर की मंडियों और खरीद केंद्रों पर गेहूं की खरीद सुचारू रूप से चल रही है। मंडियों और खरीद केंद्रों से अब तक 1 लाख 99 हजार 522 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हो चुकी है जबकि 1 लाख 17 हजार 586 मीट्रिक गेहूं की खरीद हो चुकी है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में झज्जर अनाज मंडी में 60 हजार 900 मीट्रिक टन, बादली अनाज मंडी में 15 हजार 226 मीट्रिक टन, ढाकला अनाज मंडी में 13 हजार 256 मीट्रिक टन, बेरी अनाज मंडी 37 हजार 722 मीट्रिक टन, मातनहेल अनाज मंडी से 31 हजार 521 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 15 हजार 87 मीट्रिक टन, छारा खरीद केंद्र पर 13 हजार 500 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ अनाज मंडी पर 1 हजार 387 मीट्रिक टन तथा आसौदा खरीद केंद्र पर 10 हजार 923 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि झज्जर अनाज मंडी में 30 हजार 340 मीट्रिक टन, बादली अनाज मंडी में 7 हजार 784 मीट्रिक टन, ढाकला अनाज मंडी में 7 हजार 937 मीट्रिक टन, बेरी अनाज मंडी 20 हजार 172 मीट्रिक टन, मातनहेल अनाज मंडी से 23 हजार 4 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 11 हजार 905 मीट्रिक टन, छारा खरीद केंद्र पर 7 हजार 952 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ अनाज मंडी पर 1 हजार 251 मीट्रिक टन तथा आसौदा खरीद केंद्र पर 7 हजार 241 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है। उन्होंने खरीद एजेंसियों को जल्द से जल्द उठान कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

झज्जर। अनाज मंडी में लगी गेहूं की ढेरियां।

नहीं मिल रहे मजदूर कंबाइन ही बना सहारा

बहादुरगढ़। कटाई के पीक सीजन में मजदूरों की भारी कमी और ऊंची मजदूरी से बचने के लिए किसान मशीनों का रुख कर रहे हैं। बढ़ते मशीनीकरण और कृषि में आधुनिकीकरण के कारण, कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। बेमौसम बारिश या ओलावृष्टि से फसल को बचाने के लिए जल्द से जल्द कटाई के लिए कंबाइन एक बहुत ही कारगर तरीका साबित हो रही है। बता दें कि अतीत में किसान पैरी के माध्यम से गेहूं अलग करता था। बाद में इसका स्थान थ्रेशर ने ले लिया। अब अधिकतर किसान जल्दबाजी में गेहूं की कटाई में कंबाइन मशीनों को प्राथमिकता देने लगे हैं। बदलते समय में मजदूरों की भारी कमी कहिए या मजदूरों का गेहूं कटाई से मोह भंग होने के कारण थ्रेशर मशीनों का स्थान कंबाइन व रीपरों ने ले लिया है। किसान सुमेर सिंह ने बताया कि कंबाइन मशीन कटाई, थ्रेसिंग और अनाज को भूसे से अलग करने का काम एक साथ कर देती है। जो फसल हफ्तों में कटती थी, अब वह घंटों में कट जाती है। किसान बलजीत जून के अनुसार कंबाइन मशीन का उपयोग मैन्युअल कटाई और थ्रेसर की तुलना में अधिक किफायती है। इससे प्रति एकड़ कटाई का खर्च कम हो जाता है। किसान धर्मपाल काजला के अनुसार कंबाइन से कटी हुई फसल इतनी साफ होती है कि किसान उसे सीधे मंडी में बेच सकते हैं, जिससे सफाई का अतिरिक्त खर्च बचता है।

बहादुरगढ़। इलाके के खेतों में गेहूं कटाई में जुटी कंबाइन मशीन।

एक घंटे में 2 लोगों की ट्रेन से कटकर मौत

- मृतकों की पहचान बिहार निवासी 53 वर्षीय मोतीलाल और 20 वर्षीय विमलेश के रूप में हुई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बहादुरगढ़

दिल्ली-रोहतक रेल मार्ग पर छोटूराम नगर के पास शनिवार देर शाम दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों हादसे करीब एक से डेढ़ घंटे के अंतराल में हुए, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान बिहार निवासी 53 वर्षीय मोतीलाल और 20 वर्षीय विमलेश के रूप में हुई है। दोनों छोटूराम नगर में रहकर अलग-अलग कंपनियों में काम करते थे। पहला हादसा रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ। मोतीलाल औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्टरी में काम करता था। रोजाना की तरह ड्यूटी खत्म कर वह रेलवे ट्रैक के साथ-साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

दूसरा हादसा करीब साढ़े 9 बजे हुआ। विमलेश, जो सेक्टर-17 स्थित एक कंपनी में काम करता था, ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। जब वह छोटूराम नगर फाटक के पास रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर विमलेश के परिजनों को चिंता हुई। जब वे फाटक के पास पहुंचे तो वहां भीड़ लगी हुई थी। रात करीब 11 बजे उन्हें हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद वे अस्पताल पहुंचे। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। लगातार हो रहे रेल हादसे एक बार फिर रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा और जागरूकता की कमी को उजागर कर रहे हैं।

दोस्त के नाम पर 1 लाख 5 हजार ठगे

- ठगों ने दोस्त सोनू के अमेरिका में फंसे होने की झूठी कहानी बनाई
- वीजा नवीनीकरण के नाम पर 2.50 लाख रुपये की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बहादुरगढ़

गांव जसौर खेड़ी निवासी एक युवक से अमेरिका में दोस्त के फंसे होने के नाम पर साइबर ठगों ने 1.05 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर थाना झज्जर में दी, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता सचिन ने बताया कि 8 जनवरी को उसके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को उसके दोस्त सोनू का परिचित बताया और कहा कि सोनू अमेरिका में है, उसका वीजा खत्म हो गया है और उसे अमेरिकी एंबेसी में बैठाया गया है। ठग ने वीजा नवीनीकरण के नाम पर 2.50 लाख रुपये की जरूरत बताई। उस पर भरोसा करते हुए सचिन ने उसी दिन अपनी पत्नी के खाते से 50 हजार रुपये और बाद में अपने खाते से 55 हजार रुपये बताए गए बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद भी आरोपी लगातार और पैसे की मांग करता रहा। शक होने पर जब सचिन ने अपने दोस्त सोनू से संपर्क किया तो ठगी का खुलासा हुआ। पीड़ित ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना झज्जर में धारा 318 (4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खबर संक्षेप

समस्याओं के समाधान के लिए आज लगेंगे शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएमए लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनेंगे।

कैंप में 140 का पंजीकरण करवाया

बहादुरगढ़। शहर के वार्ड नंबर-24 में डिजिटल जनगणना कैंप एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यशपाल हिंदुस्तानी ने बताया कि डिजिटल जनगणना कैंप में 140 से अधिक लोगों ने अपनी डिजिटल जनगणना का रजिस्ट्रेशन करवाया। उन्होंने कहा कि डिजिटल जनगणना प्रक्रिया पारदर्शी और सरल है, इससे समय की बचत के साथ-साथ त्रुटियों की संभावना भी कम होती है।

नशीले कैप्सूल के साथ एक आरोपी काबू

बहादुरगढ़। एंटी नारकोटिक सेल झज्जर की टीम ने एक आरोपी को प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। सेल प्रभारी दिनकर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर राजेश निवासी शिव चौक को नजफगढ़ रोड फ्लाईओवर के नीचे काबू किया। संदेह पर नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी के समक्ष तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से नशीले 46 कैप्सूल बरामद हुए। सरकार द्वारा इन पर रोक लगाई गई है। आरोपी के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना शहर बहादुरगढ़ में केस दर्ज कर अदालत में पेश किया गया।

23 और 24 मई को होगी तैराकी व वाटरपोलो स्पर्धा

बहादुरगढ़। बैठक के बाद जानकारी देते हरियाणा तैराकी संघ के प्रतिनिधि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी स्थित चैंपियंस स्पोर्टस एकेडमी में हरियाणा तैराकी संघ की बैठक में फैसला लिया गया कि हरियाणा सीनियर राज्य तैराकी और वाटरपोलो प्रतियोगिता 23 और 24 मई को होगी। इससे पहले सभी जिला यूनिटों को जिला तैराकी प्रतियोगिता करवानी होगी। हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने बताया कि जुलाई माह में सब जूनियर और जूनियर राज्य तैराकी प्रतियोगिता करवाई जाएगी। इस बार अहमदाबाद में सीनियर नेशनल स्वीमिंग चैम्पियनशिप जून माह में आयोजित की जानी है। इसके लिए हरियाणा के तैराकों का चयन सीनियर स्टेट स्वीमिंग चैम्पियनशिप से ही किया जाना है। सब जूनियर और जूनियर नेशनल इस बार अगस्त माह में उड़ीसा के भुवनेश्वर में आयोजित किए जाएंगे। बैठक में रवि शिंगारी, सुरेश जून, रविंद्र गुरुग्राम, प्रेम पलवल, जगत चरखी दादरी, सुनील झज्जर, हरबीर सोनीपत, रविंद्र सिहाग, पवन रोहतक, गूगन सिंह, अनिल शर्मा, एके पंडित, दुष्यंत भिवानी, महेंद्र सिंह, जमील मेवात, विनोद जींद, प्रेम सिंह, प्रवीण महेंद्रगढ़, जयपाल छिकारा, सुनील खत्री, सत्यनारायण शर्मा और अनिल शर्मा भी मौजूद रहे।

डीसी ने पांडुलिपियों की पहचान के लिए समयबद्ध तरीके से सर्वे किए जाने के दिए निर्देश

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत जिले में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वे का कार्य आगामी 16 जून तक चलेगा। इस कार्य के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन को लेकर संबंधित विभागों के सहयोग से सर्वे टीमें गठित की जा रही हैं। यह टीमें गांवों व शहरों में पांडुलिपियों की पहचान करते हुए उनका डिजिटल तरीके से संरक्षण करेंगी। ऐसे में जिलावासी सर्वे कार्य में लगी टीमों का सहयोग करें और इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान पहचानी गई पांडुलिपियों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात संबंधित धारकों को वापस सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पांडुलिपि सर्वे कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

अनाथ बच्चों के लिए आश्रय स्थल का निर्माण पुनीत कार्य : पुलिस कमिश्नर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। झज्जर

क्षेत्र के गांव गुढ़ा में सामाजिक सरोकारों को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भूमि पूजन समारोह एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान अनाथ बच्चों के लिए बनाए जाने वाले आश्रय स्थल की नींव रखी गई। डॉक्टर राजश्री सिंह ने कहा कि यह पहल समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि अनाथ बच्चों के लिए सुरक्षित और स्नेहपूर्ण आश्रय का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल उनके भविष्य को संवारने में सहायक होगा, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश भी देगा। उन्होंने आयोजकों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में मानवता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने वृद्धाश्रम खोलने के लिए भी कहा जिससे बच्चों को मां-बाप दादा दादी का प्यार मिल सके और मां-बाप को बच्चों का प्यार मिल सके। वहीं रक्तदान शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान ने भले ही बहुत तरक्की कर ली हो, लेकिन आज भी इंसान के खून का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि निर्धारित समय के अंतराल पर रक्तदान करें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह एवं आयोजक कमेटी सदस्य।

ब्यूटी पार्लर, सैलून, फूलों की दुकानों पर दिनभर खूब भीड़ उमड़ी

अक्षय तृतीया पर वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए दिनभर सजती रही गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶। झज्जर

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। अक्षय तृतीय पर्व पर दिनभर शहर के बाजारों में खूब रौनक रही। शास्त्रों में इस दिन को विवाह-शादियों जैसे मांगलिक कार्यक्रमों के शुभ बताया गया है। इसी कारण ब्यूटी पार्लर, सैलून, फूलों की दुकानों पर दिनभर खूब भीड़ उमड़ी और दुकानदारों के चेहरों में खुशी दिखाई दी।

दिनभर शहर में वैवाहिक कार्यक्रमों की धूम रही। शहर के फूल विक्रेताओं द्वारा गाड़ी सजाने का कार्य दिनभर चलता रहा। बीकानेर चौक से लेकर टैक्सी स्टैंड तक के फूल विक्रेताओं द्वारा दिनभर में पचास से अधिक गाड़ियां सजाई गई। फूल विक्रेता देवा, जौनी, चंद्र किरण आदि ने बताया कि उन्होंने आज एक दिन में दर्जनों गाड़ियां सजाई है। उन्होंने बताया कि वे एक गाड़ी सजाने का डेढ़ हजार रुपए से ढाई हजार रुपए तक लेते हैं। डेढ़ हजार रुपए में गुलाब की सिंपल गाड़ी तथा ढाई हजार रुपए में गाड़ी की गुलाब से एस बनाकर व चुन्नियां तथा रिबन द्वारा विशेष सज्जा की जाती है। उन्हें एक गाड़ी की डेकोरेशन करने में एक घंटे से अधिक का समय लगता है। वहीं पंडित गुलशन शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन किए गए धार्मिक कार्यों से प्राप्त पुण्य का कभी क्षय नहीं होता। इस दिन कोई संपत्ति अथवा जमीन आदि खरीदना शुभ माना गया है। इसके अलावा पवित्र नदियों में स्नान करने, जप, तप, हवन, पूजा करने के साथ गरीबों और जरूरतमंदों को यथाशक्ति दान करने का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है।

झज्जर। शहर के टैक्सी स्टैंड पर सजी गाड़ियां।

अक्षय तृतीया पर शहर में रही रौनक, वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए दिनभर सजती रही गाड़ियां

बहादुरगढ़। अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त के चलते रविवार को भी बाजार गुलजार रहा। शहनाई की गूंज के बीच शादियों की की रस्म के लिए प्रयोग होने वाली सामग्री की जमकर खरीदारी हुई। वहीं दुल्हनों को संवरने के लिए ब्यूटी पार्लर पहले से ही बुक थे। फूल वाले गाड़ियों को सजाने में व्यस्त थे। बता दें कि रविवार को अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त के अलावा अप्रैल महने में 20, 21, 25, 26, 29 व 30 तारीख को विवाह का शुभ लग्न है। इसे देखते हुए मुख्य बाजार में स्थानीय और आसपास के ग्रामीणों की खासी भीड़ड़ रही। वहीं मुख्य बाजार में शादी ब्याह की वजह से दुकानों पर लोगों की भीड़ नजर आ रही है। पंडित महेंद्र शर्मा ने बताया कि अक्षय तृतीया को जप, तप और अनुष्ठान का अनंत गुना फल प्राप्त होता है। क्रय, विक्रय, गृह प्रवेश के साथ मंदिरों में अनुष्ठान किए गए। उनके अनुसार अक्षय तृतीया के दिन सती सावित्री ने पति व्रत साधना से यमराज से पति के प्राण वापस लिए थे। इस दिन दूल्हा-दुल्हन स्वरूप में मूर्ति स्थापित कर सती-सत्यवान का पूजन किया जाता है। रविवार को शहर के विभिन्न बारात घर, होटल, गार्डन और घरों में विवाह समारोह आयोजित किए गए।

कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रही प्रभावित

बहादुरगढ़। जाखौदा में बनकर तैयार हुए नए पावर हाउस में चल रहे आवश्यक कार्यों के कारण 33 केवी बामडोली पावर हाउस से जुड़े सभी इलाकों में रविवार को बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं, पानी की सप्लाई भी कई स्थानों पर प्रभावित रही, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गईं। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रही। जिससे बामडोली फीडर से जुड़े गांवों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली कटौती के चलते घरेलू कार्यों के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। गर्मी के मौसम में बिजली न होने से लोगों को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एसडीओ राहुल वर्मा ने बताया कि नए पावर हाउस में जरूरी एवं तकनीकी कार्यों के चलते यह शटडाउन लिया गया था। कार्य पूरा होते ही निर्धारित समय के अनुसार बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

कहानी

आशमा कौल

प्यारी की अरदास

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको सम्मान से साथ ले जाएंगे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है।

एआई जेनरेटेड इमेज

आज प्यारी के पोते की शादी है । घर गहमा-गहमी से भरा हुआ है । दूर के रिश्तेदार आने शुरू हो गए हैं । घर में ढोलकी बज रही है, बन्ना –बन्नी के गीत गाए जा रहे हैं ।

प्यारी की उम्र अस्सी से पार हो चली है और उसे घर के सबसे पीछे वाले कमरे में बिठाया गया है। अब वह ज़माना नहीं रहा, जब बड़े-बुजुर्गों को घर के हर काम में आगे रखा जाता था और उनसे हर मसले पर राय ली जाती थी। प्यारी अपने पलंग पर बैठी है, लेकिन उसके कान तो बाहर की तरफ ही लगे हुए हैं। आंखें और घुटने कमज़ोर होते हुए भी आज उसका मन पोते के ब्याह की खुशी की उमंग में उछल रहा है। बीच-बीच में कोई अगर उसके कक्ष के पास से गुज़रता है तो प्यारी आवाज़ें लगाती हैं ताकि सब जान सकें कि वह भी इस घर की खुशी में शामिल है।

'अरे फूफी और फूफा जी आ गए , उनका सामान अंदर ले जाओ'

'बधाई है भाभी, बहूत-बहूत बधाई , मां ठीक है न....' धीमी धीमी आवाज़ें प्यारी के कमजोर कानों में तैर रही हैं, आवाज़ें साफ नही हैं, फिर भी वह समझ गई है कि उसकी दोनों बेटियां और दामाद अभी-अभी पहुंचे हैं। अब वह इंतज़ार में है कि सभी आकर उसको भी बधाई देंगे। वह बार-बार आने वाले रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही है कि उसे भी तो पता चले कि कौन-कौन पहुंच गया है। वह मन ही मन अपनी श्रवण शक्ति को कोस रही है। उसका हालचाल तो सभी पूछ रहे हैं, लेकिन कोई उससे मिलने नहीं आया अभी तक। प्यारी बहूत बेचैन है। घर की कामवाली पारो प्यारी के लिए दिन के भोजन की थाली लेकर आई है।

'अम्मा जी हाथ धो लीजिए, खाना लाई हूँ'

'अरी पारो, तू भी आज बहूत देर से आई मेरे पास। अभी भूख नहीं है , इधर आ मेरे पास बैठ और मुझे बता कि कौन-कौन आ गया है और सबने खाना खा लिया है कि नहीं।'

'अम्मा जी आप खाना खा लो, आज घर में बहूत काम है, मुझे बात करने की फुर्सत कहां हैं, यहां देर कर दी तो मेम साहब बहूत डांट लगाएगी । आपका क्या, आराम से बैठी हो पलंग पर और काम कोई करना नहीं।'

" सच है पारो, अब मैं बेकार हो गई हूं लेकिन बच्चों को देखने का बहूत मन है, वह काम में लगे हैं तो मुझे धीरे-धीरे बैठक में ले जा, जहां ढोलकी बज रही है।'

'ना बाबा ना, मुझे मेमसाहब से डांट नहीं खानी है , आज वह वैसे भी गुस्से मे लग रही हैं । मै उन सबको कह दूंगी कि आप से यहीं आकर मिल लें' – जल्दी से अपना पल्लू झाड़ कर पारो थाली वापस लेकर कक्ष से बाहर निकल गई।

याद आ रहा है प्यारी को अपने बेटे की शादी वाला दिन, कैसे दौड़-दौड़ कर आवभगत कर रही थी, वह सब मेहमानों की । क्या खूब नाची थी वह बारात में कि देखने वाले भी उसका उत्साह देख कर दंग रह गए थे । सुंदर गुलाबी साड़ी और गहनों में वह सभी पर गज़ब ढा रही थी और कुछ को तो यह अंदेशा था कि वह शायद दूल्हे कि मां नहीं बड़ी बहन है। सुबह तारों की छांव में जब वह बहू को लेकर घर पहुंची थी तो उसकी खुशी का ठिकाना ही नहीं था। उसके बर्ताव से बहू, पति, घरवाले, मेहमान और समधी सभी बहूत प्रभावित और खुश थे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है, यह सोच कर उसका दिल भर आया और आंखें भीग गई । वह सोच रही थी कि वह भी एक ज़माना था, जब वह अपनी सास और मां की परामर्श हर बात में लेती थी और यह आज का मुआ समय जब घर के आखिरी कमरे में उसे अकेले छोड़ दिया गया है। अचानक दरवाज़ा खुलने की आवाज़ से वह सचेत हुई –

" कौन है, आ जाओ "।

मां, मैं हूं कुमुद, कैसी हो तुम।

अरे बिटिया, आ गले लग जा मेरे, बहूत देर से इंतज़ार कर रही थी कि कोई तो आकर मुझसे मेरा हाल पूछे।

"मां, हम सब भाभी का हाथ बंटा रहे थे, आपको पता तो है, वह छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाती है, लेकिन तुम यहां अकेली क्यों बैठी हो, चलो मैं तुम्हें बैठक में ले चलूं'।

'ना बेटा, मैं यहीं ठीक हूँ, तुम सबको परेशानी होगी'।

'नहीं मां, कैसी परेशानी, तुमसे तो घर की रौनक है। दीदी जीजाजी और बच्चे सब वहीं हैं, चलो मैं धीरे- धीरे तुम्हें वहां तक ले चलती हूं।'

बेटी का हाथ थाम कर प्यारी पलंग से उठी और नपे-तुले कदमों से बैठक तक आ गई और सबको दुआएं देने लगी। बैठते हुए प्यारी का हाथ मेज पर पड़े शीशे के गिलास से लग गया और गिलास गिर कर टूट गया। इससे पहले कि कुमुद टूटा गिलास उठाती, भाभी हो हल्ला करती बैठक में आ गई – "लो हो गया काम, अरे अम्मा जी को कौन यहां लेकर आया "।

'अम्मा जी, मैंने आपसे कहा था कि आज वहीं अपने कक्ष में बैठी रहना। काम में मदद नहीं करा सकती हैं, तो कम से कम काम को बढ़ाएं तो नहीं'– तल्ख स्वर में बहू लगभग चिल्लाई तो अम्मा जी घबराहट में कांपने लगी कि शायद उससे कुछ बहूत बड़ा नुकसान हो गया है, तभी पारो आई और शीशा समेट कर ले गई। बेटियां जो सब देख-सुन रही थी, उन्हे भाभी की बात अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे उसके स्वभाव से परिचित थी इसलिए कुछ कह नहीं सकी और अम्मा जी भी वहीं चुपचाप कुर्सी में धंस सी गई ताकि माहौल खराब न हो ।

'आप सब लोग अब जाने की तैयारी करो और बच्चों को भी जल्दी तैयार करो, दो घंटे में घुड़चढ़ी का मुहर्त है, बारात समय से निकले तो अच्छा है' अचानक बेटे की आवाज सुन अम्मा जी निहाल हो गई और वह पोते के साथ गाड़ी में बैठ कर जाने के ख्वाब बुनने लगी।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको नई साड़ी देंगे और सम्मान से साथ ले जाएंगे। वह अभी इन्हीं ख्यालों में थी कि बहू की आवाज उसके कानों में पड़ी –

"अरी पारो, यह लो तुम्हारा नया सूट, चलो जल्दी पहनो और तैयार हो जाओ "

'लेकिन मैडम जी , फिर घर में कौन रहेगा'।

'अम्मा जी है न घर में, तुम उनके खाने की थाली बनाकर उनके पलंग पर रख दो और उन्हें भी उनके कमरे में पहुंचा दो ताकि जब बहू आए तो आगे की बैठक ठीक-ठाक मिले। बाहर के दरवाजे पर ताला रख देंगे। अब जल्दी करो समय निकला जा रहा है'।

यह सब बातें बहू ने ज़ोर-ज़ोर से बोली ताकि सासु मां सुन ले और दोबारा उन्हें न कहनी पड़े। ऐसा ही हुआ, प्यारी ने सब सुना तो उसका दिल टूट गया, लेकिन उसने उसकी किरचें फैलने नहीं दी, अपने ही अंदर समेट ली ताकि वे उसके बच्चों को न चुभ जाए। अधिकतर माएं ऐसी ही होती हैं। उसकी आंख में दो आंसू आए, लेकिन बदशकुनी के डर से उसने उन्हें आंखों की कोरों में ही ज़ज्ब कर लिया। बड़ी बेटी जो सब देख चुकी थी, उससे रहा नहीं गया, बोली – मां मैं तुम्हारे लिए नई साड़ी लाई हूं, वह पहन कर तुम मेरे साथ चलोगी'।

'नहीं बेटा, देर हो रही है, तुम जल्दी तैयार होकर निकलो वरना तुम्हारी भाभी नाराज हो जाएगी' – प्यारी खुद पर संयम रख कर बोली।

उसने बेटी की बात नहीं मानी, उसे तो बेटे से उम्मीद थी कि वह आज जिद करके उसे अपने साथ शान से ले जाएगा। घुड़चढ़ी का समय हो गया था और प्यारी के कानों में बैंड -बाजे की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी और वह अपने दोनों हाथ जोड़े ईश्वर से बच्चों की सलामती की दुआ मांग रही थी। धीरे-धीरे आवाज़ें आनी बंद हो गई और प्यारी रात भर, नई बहू के आने तक अपने इष्ट से अरदास करती रही ताकि उसके टूटे दुखी दिल से बेटे के लिए कोई बददुआ न निकल जाए।

पुस्तक समीक्षा

आत्मचिंतन की नई दिशा देती है 'आत्मप्रबंधन

समीक्षक

ममता कुशवाहा

'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' केवल एक साधारण निबंध-संग्रह नहीं, बल्कि लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप के अंतर्मन में उठते विचारों, संवेदनाओं और जीवन-दृष्टि का सजीव दस्तावेज़ है। यह कृति पाठक को आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मबोध की उस यात्रा पर ले जाती है, जहां वह स्वयं से संवाद करना सीखता है। इस संग्रह में शामिल निबंध 'चुप्पी भी बोलती है', 'भीड़ में इंसान गुम क्यों हो रहा है?', 'गलतियों के साए में उगता सुधार का प्रकाश', 'जहाँ झूठ आसान है, वहाँ सच साहस मांगता है', 'यादें: जीवन का सहारा या बोझ?', 'अकेलापन: रिश्तों की भीड़ में एकांत का सच' आदि, जीवन के उन पहलुओं को उजागर करते हैं, जिनसे हम प्रतिदिन रूबरू होते हैं, परंतु अक्सर उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। 'चुप्पी भी बोलती है' निबंध में लेखक मौन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार, मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि अंतर्मन की वह स्थिति है, जो नकारात्मकता को सकारात्मकता में रूपांतरित करने की क्षमता रखती है। 'बदलाव को स्वीकारना भी एक नैतिक साहस है' में लेखक जीवन के अनिवार्य परिवर्तनशील स्वरूप को रेखांकित करते हैं। वे बताते हैं कि परिवर्तन से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार करना ही जीवन की प्रगति का मूल मंत्र है।

'कठिन समय में चरित्र की असली परीक्षा होती है' निबंध में धैर्य को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया गया है। लेखक के अनुसार, विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यक्ति के चरित्र को गढ़ती हैं और धैर्य उसे टूटने से बचाता है। वे स्पष्ट करते हैं कि धन, पद और प्रतिष्ठा भले ही बाहरी सुख दें, परंतु सच्चा संतोष केवल संस्कार, ईमानदारी और सहनशीलता से ही प्राप्त होता है। समकालीन समाज में व्याप्त झूठ, पाखंड और दिखावे के बीच लेखक 'चमक के शोर में खोती सादगी की मौन शक्ति' के माध्यम से सादगी के महत्व को पुनर्स्थापित करते हैं। 'जीवन का सफर: योजना और अनिश्चितता के बीच' निबंध में लेखक जीवन की विविधता और व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझाने का प्रयास करते हैं। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि तुलना के बजाय आत्मस्वीकृति और अपनी परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता का मार्ग है। वास्तव में यह कृति पाठक को आत्मविश्लेषण के लिए प्रेरित करती है। यह सिखाती है कि आत्मसंयम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। 'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' जीवन की उस सच्चाई को सामने लाती है कि यह केवल संघर्षों का नहीं, बल्कि आशाओं, सपनों और संतुलन का सुंदर संगम है।

कवि कॉर्नर

कविता | कियांश जुनेजा

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हज़ार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औज़ारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहूत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

टांग अड़ाने का अपना सुख-चैन

व्यंग्य | आसिम अनमोल

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा।

टांग अड़ाने में हमारे भारत को कोई नहीं पछाड़ सकता। इसमें हमारा भारत पूरी तरह पारंगत है। टांग कहीं पर भी अड़ा दो। यह यहीं संभव है। हमारा देश तो टांग अड़ाने से ही चल रहा है। सत्ता पक्ष के हाथों में देश की भागदौड़ आ जाए तो विपक्ष का टांग अड़ाते रहना दिनचर्या का काम है। अड़ाएगा नहीं तो उसकी उम्मीदें परवान कैसे चढ़ेंगी। इसलिए टांग अड़ाना नितांत आवश्यक। चाहे घर में बनते हुए काम में टांग अड़ा दो। ऑफिस की फाइलों में टांग अड़ा दो।

रास्ते में बातचीत करते जा रहे राहगीर में अड़ा दो। किचन में बन रहे व्यंजन में अड़ा दो। अच्छा नहीं बना। गरीब के मुश्किल से बन रहे आधार कार्ड में अड़ा दो। पति-पत्नी के फिल्म देखने के प्रोग्राम में अड़ा दो। अड़ाने में कोई बौद्धिक ताकत नहीं लगती। जैसे छप्पर उठाने के लिए नीचे से डंडे अड़ाए जाते थे। वैसे ही आज जगह-जगह टांग अड़ाई जा रही है। टांग अड़ाना भी साहब एक कला है, फिर कला की बेकद्री कैसे की जा सकती है ? टांग सचमुच हर जगह अड़ ही जाती है। माल में खरीदारी करते समय भीड़ में क़दमों की टांग अड़ाई भी हो जाती है। टांग तो टांग है, वो अपनी हरकत से बाज़ कहां आती है। सफल हो रहे रास्तों में भी ऐसे टांग अड़ाई जाती है कि सफलता भी भी टांग अड़ाई पर पीएचडी करने की ठान लेती है। टांग अड़ाना एक अदब का वायज़ बनता जा रहा है। टांग अगर आपने कहीं नहीं अड़ाई तो आपकी टांगों में टांग अड़ा दी जाएगी। बग़ैर टांग अड़ाए इस वतन की मिट्टी में कोई काम हो ही नहीं सकता। ऐसे टांग की अपनी गरिमा बनी रहती है। गरिमा का ध्यान रखते हुए टांग अपना टारगेट हज़ार जगह अपनी टांग अड़ाकर ही पूरा करता है। टांग अड़ाना एक सामाजिक काम हो गया है।

समाज का सहयोग करने के लिए समाज को टांग अड़ाई का जगह-जगह प्रशिक्षण देना भी जरूरी हो गया है। जिसे टांग अड़ाना नहीं आता उसे चलते-फिरते लोगों पर टांग अड़ाने का प्रशिक्षण देना ज़रूरी है। टांग अड़ाने में अगर किन्तु परन्तु हो भी जाता है तो भी टांग अड़ाने का हौसला बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। टांग का बड़ा महत्व है। टूटी हुई टांग भी अपनी मशहूरियत का ऐसे खुलासा करती है कि अगर रास्ते में मैंने टांग नहीं अड़ाई होती तो टांग पर चढ़े प्लास्टर की महत्ता कैसे बढ़ती। इसलिए टांग अड़ाना बहूत ज़रूरी है। बग़ैर टांग अड़ाए टांग के होने का महत्व ख़त्म हो जाता है। टांग अड़ाना इंसान का मूलभूत हथियार बन चुका है। टांग अड़ाने में इंसान परिपक्व न होकर भी परिपक्वता को समाज के सामने आसानी से ज़ाहिर कर सकता है। टांग फिल्म जगत में भी खूब अड़ाई जाती है। हीरो-हेरोइन का आपसी प्यार तक खलनायक नाग़वार गुज़रता है। तभी ढिशुम ढिशुम टांग अड़ाने का प्रतीक बन जाता है। टांग अड़ाना सारे नियम कायदे सामाजिक सरोकारों को ऐसे धता बताते हैं कि लड़के लड़कियों के रिश्तों तक में टांग अड़ाने से बाज नहीं आता।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं ज़ुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा। पुलिस तो बिलकुल ही नहीं दिखाई देगी। असल में यह मान लेना चाहिए कि टांग अड़ाना एक फैशन है। अड़ाए बग़ैर चैन भी नहीं। आजकल इंसान इतनी समस्याओं में उलझने के बावजूद हर मसले में टांग अड़ा अड़ाकर सुख-चैन हासिल कर रहा है तो इसमें बुराई क्या है। आपके उन्नति के रास्ते पर टांग अड़ाई जा रही है तो आप परेशान न हों। क्योंकि इस टांग अड़ाई में ही आपकी उन्नति उन्नति को उन्नति तक पहुंचा सकती है। टांग अड़ा अड़ाकर मनुष्य ने जहालत को भी शिष्टाचार बना दिया। टांग अड़ाने को सामाजिक पहचान दिला दी। टांग अड़ाने का महत्व हमारे समाज पर इतना मेहरबान है कि अब 2027 में ना जाने कितनी टांगें सियासत की भगदड़ में अड़ाई जाएंगी। अब टांग अड़ाने में देश का हश्र कुछ भी हो लेकिन टांग अड़ाने वाले अपने हश्र का ख्याल ज़रूर रखेंगे। देखते हैं कि टांग अड़ाते-अड़ाते हमारे देश का कितना ख्याल रखती हैं टांगें।

मोटिवेशनल

स्क्रीन टाइम कम करने के उपाय

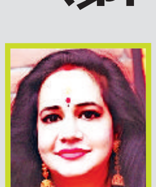

दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

आज की युवा पीढ़ी यानी सोशल मीडिया के बिना एक पल भी कल्पना नहीं कर सकती। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब शॉर्ट्स हमारे रोज़मर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही नोटिफिकेशन चेक करना, रील्स देखना और स्टोरी पोस्ट करना – ये सब अब आदत बन गई है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये प्लेटफॉर्म हमारे दिमाग पर क्या असर डाल रहे हैं? सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी बहूत गहरे हैं। इस लेख में हम इन्हीं प्रभावों पर चर्चा करेंगे और बताएंगे कि स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जा सकता है। सोशल मीडिया सबसे पहले तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर रहा है। 15-30 सेकंड के रील्स और शॉर्ट वीडियो हमें लगातार नई उत्तेजना देते रहते हैं। नतीजा? पढ़ाई, काम या किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान लगाना मुश्किल हो गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, जो युवा रोज़ 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनकी एकाग्रता का स्तर काफी गिर जाता है। दूसरा बड़ा प्रभाव है तुलना और असुरक्षा की भावना। हम खुद को कमतर समझने लगते हैं, जिससे आत्म-सम्मान घटता है, चिंता बढ़ती है और कई बार डिप्रेशन भी। तीसरा, नींद का बिगड़ना। रात को बेड पर लेटकर स्क्रॉलिंग करने से नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है। चौथा प्रभाव सामाजिक अलगाव है।

स्क्रीन टाइम कम करने के 8 व्यावहारिक उपाय

1. **समय की सीमा तय करें :** फोन के सेटिंग्स में स्क्रीन टाइम फीचर चालू करें। रोज़ 1-2 घंटे से ज्यादा न इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखें। ऐप जैसे फ्रीडम, आफटाइम इस्तेमाल करें जो फोन को लॉक कर देते हैं।
2. **नोटिफिकेशन्स बंद रखें :** हर 5 मिनट में आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार खींचते हैं। सिर्फ जरूरी ऐप्स (जैसे व्हाट्सएप) का नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब साइलेंट मोड पर।
3. **डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास :** हफ्ते में एक दिन "नो-स्क्रीन डे" रखें। सुबह से शाम तक सिर्फ कॉल और मैसेज चेक करें, रील्स या फीड न देखें। शुरू में मुश्किल लगेगा, लेकिन बाद में मन शांत महसूस होगा।
4. **फोन को बेडरूम से बाहर रखें :** सोने से एक घंटा पहले फोन बंद कर दें। उसकी जगह किताब पढ़ें या जर्नल लिखें। नींद बेहतर आएगी।
5. **ऑफलाइन शौक विकसित करें :** जिम जाना, क्रिकेट खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या गार्डनिंग, ऐसे काम चुनें जो आपको खुशी दें। जब मन भरेगा, सोशल मीडिया की याद ही नहीं आएगी।
6. **ग्रेस्केल मोड ऑन करें :** फोन के कलर को ब्लैक-एंड-व्हाइट कर दें। रंगीन रील्स कम आकर्षक लगेंगी और इस्तेमाल अपने आप कम हो जाएगा।

लघु कथा

पहली जीत

वीना सिंह

कहानीकार

राधिका शहर के बड़े कॉलेज में पढ़ने आई थी। अपने छोटे से कस्बे से पहली बार बाहर निकली थीए सो जिम्मेदारियों का बोझ भी साथ था और डर भी। पढ़ाई में तेज थीए साथ ही मन से पूरी तरह ईमानदार भी द्य लेकिन हॉस्टल की लड़कियों को उसका आत्मविश्वास चुभता था।

क्लास में प्रोजेक्ट प्रेज़ेंटेशन होने वाला था। सहेलियों ने तय कर लिया कि राधिका को बोलने का मौका न दिया जाए। श्ज़्यादा अकड़ दिखाती हैए देखो आज चुप कैसे रहती हैएश वे हंस पड़ीं। राधिका को उनके गलत इरादों की भनक लग गई थीए फिर भी उसने बड़ी मेहनत से स्लाइड्स तैयार की द्य मन बैठ रहा थाकृक्या वाकई में वे सब उसे बोलने नहीं देंगीं। प्रेज़ेंटेशन शुरू हुआ। टीम के बाकी सदस्य बारी.बारी से बोले और जानबूझकर राधिका का नाम टालते रहे। जब अध्यापक ने पूछाए श्और तुम्हारा निष्कर्ष कौन रखेगाघ्श तभी चुपचाप बैठी राधिका खड़ी हो गई।उसकी आवाज़ कांप रही थीए पर आंखों में नमी थीए लेकिन मन में दृढ़ता थी। उसने बिना स्लाइड देखेए पूरे प्रोजेक्ट का सार इतनी स्पष्टता से रखा कि सब चकित रह गए। अध्यापक ने वहीं घोषणा कर दीकृश्प्रोजेक्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण राधिका का था। राधिका सीट पर लौटी तो तालियाँ गूंज उठीं। सहेलियों की आँखें झुकी रह गईं। उसने गहरी सांस ली और फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बी.टेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स , डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विज़न जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऍप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विज़न एंड इमेज रिकग्निशन
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

आवश्यक कौशल

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

काठमंठी : शिविर में 215 मरीजों को जांचा

रोहतक। काठमंडी पंचायत द्वारा रविवार को एलपीएस बोसार्ड के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर काठ मंडी में लगाया गया। जिसमें बीपी, शुगर, हड्डी रोग व हड्डी की जांच (बी.एम.डी), स्त्री रोग, दमा/सांस/फेफड़े (पी.एफ.टी) व खून की जांच मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा की गई। इसके अलावा दंत रोग व आंखों की जांच भी विशेष डॉक्टरों द्वारा की गई। इस स्वास्थ्य केंद्र में करीब 215 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ उठाया। इस अवसर पर दीपू डरोलिया , पंकज गर्ग, सचिव, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा रमेश भाटिया कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष कौशिक ,गौरव, राज कुमार डरोलिया ,जय भगवान जांगड़ा, नीरज कुमार एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण मौजूद रहे।

48 मरीजों ने करवाई फ्री कैंप में जांच

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सांघी गांव में बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिसके अंदर गांव और आसपास के मरीजों ने आकर अपने हड्डी और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। इस कैंप में गांव और आसपास से कुल 48 मरीज पहुंचे। जिन्हें घुटनों और कमर दर्द से जुड़ी समस्याएं थी। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सांघी गांव में हर सप्ताह फ्री कैंप का आयोजन किया जाता है। जिसके अंदर हड्डी और जोड़ों दर्द के मरीज आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस कैंप का आयोजन शहर के सबसे बड़े समाजसेवी राजेश जैन की देखरेख में किया जाता है।

साप्ताहिक मंथन में भारतीय विवाह पद्धति पर चर्चा

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय स्थित श्रीमातुराम यज्ञशाला में साप्ताहिक अग्निहोत्र कार्यक्रम के उपरांत आयोजित "साप्ताहिक मंथन" में भारतीय विवाह पद्धति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में फार्मेसी, अर्थशास्त्र, विधि, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, वाणिज्य, यूआईईटी और आईएचटीएम विभागों के छात्रों ने भाग लिया।चर्चा के दौरान सभी प्रतिभागियों ने एकमत से स्वीकार किया कि वर्तमान समय में भारतीय विवाह पद्धति को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। छात्रों ने चिंता जताई कि बिना विवाह के संबंधों की बढ़ती प्रवृत्ति पारिवारिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। साथ ही यह भी कहा गया कि आजकल होने वाले विवाहों में परंपरागत मर्यादाओं की कमी देखने को मिल रही है और वे दिखावे तक सीमित होते जा रहे हैं।

विश्व धरोहर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा राधाकृष्णन सभागार में विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सेवा सिंह दहिया और इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयवीर सिंह धनखड़ ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और बताया कि विरासत हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है।

राजपाल सिंह 5 किलोमीटर दौड़ में 40—50 वर्ष आयु वर्ग में अव्वल

दिल्ली से प्रयागराज तक छाए बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावक

95 धावकों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया

प्रयागराज में हाफ मैराथन में शलभ खरे ने हासिल किया पहला स्थान

मानिका अग्रवाल ने 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया

बहादुरगढ़। रनिंग इवेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दिल्ली से प्रयागराज तक हुए 5 बड़े इवेंट्स में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। करीब 95 धावकों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रयागराज में आयोजित हाफ मैराथन में शलभ खरे ने पहला स्थान हासिल किया। मानिका अग्रवाल ने 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। त्रिलोक ने भी हाफ मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की।

गुरुग्राम में विश्व पृथ्वी दिवस को लेकर आयोजित दौड़ में गुलाब सिंह ने 10 किलोमीटर ओपन कैटेगरी में ऑल ओवर फास्टेस्ट बनकर शानदार जीत दर्ज की। राजपाल सिंह ने 5 किलोमीटर दौड़ में 40—50 आयु वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। द्वारका में आयोजित खयाल रन में नरेंद्र लठवाल ने 5 किलोमीटर में पहला स्थान प्राप्त किया। दीपक ने 10 किलोमीटर दौड़ सफलतापूर्वक पूरी की। दीपक छिल्लर ने ब्रांड एंबेसडर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किंग्जवे कैंप में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित 10 किलोमीटर रन में संदीप, धर्मवीर, जितेंद्र गौतम और अशोक ने बीआरजी का प्रतिनिधित्व किया। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जल संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित आईपीए जैगुआर नीराथॉन हाफ मैराथन में भी बीआरजी धावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यूथ नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में मौसम व प्राची ने जीते गोल्ड मेडल

झज्जर। जिले के प्रतिभाशाली मुक्केबाजों ने 8वीं यूथ नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता गुवाहटी में 13 अप्रैल से 19 अप्रैल तक आयोजित हुई। जहां देशभर से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि उनके खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। मौसम सुहाग ने 65 किलोग्राम वर्ग और प्राची चाहार ने 57 किलोग्राम भार वर्ग व सागर किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि प्राची चाहार को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट प्रोमिसिंग मुक्केबाज के सम्मान से भी नवाजा गया। इसके अलावा प्राची चाहार को बेस्ट चैलेंजर बॉक्सर का अवार्ड दिया गया। उन्होंने होनहार खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। होनहार खिलाड़ी कोच हितेश देशवाल के साथ।

बहादुरगढ़। एल्युमनी मीट के दौरान पूर्व विद्यार्थियों के साथ कॉलेज स्टॉफ।

पूर्व छात्र किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी

छारा कॉलेज में एल्युमनी मीट का आयोजन
गीत-नृत्य से वातावरण हुआ रंगारंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में रविवार को एल्युमनी मीट का आयोजन किया गया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. अनीता दलाल ने महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उत्साहवर्धन किया। पूर्व छात्र संघ के प्रतिनिधियों ने महाविद्यालय के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग, प्लेसमेंट सहायता, इंटर्नशिप अवसर व कौशल विकास कार्यक्रमों में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति से हुई। एल्युमनी प्रकोष्ठ की इंचार्ज ज्योति की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में गीत एवं नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम के वातावरण को रंगारंग बना दिया। कार्यक्रम में डॉ. संजय देसवाल, देवेंद्र, मंजू मलिक, डॉ. जयंत, मोनिका, गीतांजलि, डॉ. मनोज कुमार, ज्योति, रिदम, विजय, डॉ. गोबिंद, प्रवीन दलाल, लोकेश व प्रवीन सुहाग के साथ ही सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। डॉ. अनीता दलाल ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों की उपलब्धियां महाविद्यालय की पहचान को सुदृढ़ करती हैं। कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव और विचार सांझा करते हुए अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन और त्याग को दिया। अपने पूर्व गुरुओं को देखकर पूर्व छात्रों ने गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

वापस लौटने पर नोटों की माला पहनाकर किया गया स्वागत

अहमदाबाद में हुई अस्मिता वूमेंस स्विमिंग नेशनल प्रतियोगिता में साम्या ने जीते 3 मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मेडल विजेता तैराक साम्या शिंगारी का स्वागत करते अनिल खत्री व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अहमदाबाद में हुई अस्मिता वूमेंस स्विमिंग नेशनल प्रतियोगिता में हरियाणा की तैराक साम्या शिंगारी ने एक गोल्ड समेत 3 मेडल जीते हैं। साम्या ने 200 मीटर फ्री स्टाइल में गोल्ड मेडल, 400 मीटर फ्री स्टाइल में सिल्वर और 200 आईएम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया है। नेशनल प्रतियोगिता में मेडल जीतकर लौटी साम्या और कोच चेतन का हरियाणा तैराकी संघ ने एचएल सिटी की चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में जोरदार स्वागत किया। भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने साम्या को नोटों की माला पहनाकर बधाई दी। एचएसए के उपाध्यक्ष रवि शिंगारी, सह सचिव सुरेश जून, सुनील खत्री, सत्यनारायण शर्मा, एनआरआई अनिल शर्मा आदि ने फूलमाला पहनाकर साम्या का हौसला बढ़ाया गया।

साम्या ने बताया कि उनके परिवार, कोच और तैराकी संघ के सहयोग से ये उपलब्धि हासिल की है। अनिल खत्री ने बताया कि साम्या की उपलब्धि हरियाणा के दूसरे तैराकों के लिए प्रेरणा साबित होगी।

यात्रा के माध्यम से राज्य में सामाजिक सौहार्द का संदेश फैल रहा

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा स्थगित, जल्द जारी होगा नया शेड्यूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह द्वारा निकाली जा रही सद्भाव यात्रा रविवार को स्थगित कर दी गई। जानकारी के अनुसार शनिवार रात उन्हें दिल्ली बुलाया गया था, जिसके चलते रविवार को निर्धारित कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। यात्रा समन्वयक अमित काजल ने बताया कि जल्द ही सद्भाव यात्रा के इस हिस्से का नया शेड्यूल जारी किया जाएगा। अनीश लीला दलाल ने बताया कि सद्भाव यात्रा का असर पूरे हरियाणा में देखने को मिल रहा है।

उन्होंने दावा किया कि इस यात्रा के माध्यम से सामाजिक सौहार्द का संदेश फैल रहा है और लोग बड़ी संख्या में इससे जुड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बृजेंद्र सिंह लगातार सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रहे हैं और प्रदेश में भाईचारे का माहौल मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सद्भाव यात्रा के तहत रविवार को होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बहादुरगढ़ के लोगों की नजरें यात्रा के नए कार्यक्रम पर टिकी हैं, जिसकी घोषणा जल्द होने की उम्मीद है।

बहादुरगढ़। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह का स्वागत करते अनीश दलाल।

समय रहते बीमारी की पहचान और उपचार से सुरक्षित होता है बच्चों का भविष्य

एडीसी ने तीन श्रवण बाधित बच्चों की दूर की परेशानी, दिए आधुनिक श्रवण यंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। श्रवण यंत्र वितरित करते हुए एडीसी जगनिवास। फोटो : हरिभूमि

जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत तीन श्रवण बाधित बच्चों को आधुनिक श्रवण शक्ति यंत्र एडीसी जगनिवास ने वितरित किए। उप सिविल सर्जन डॉक्टर ममता त्यागी एवं डीआईईसी मैनेजर अंजू बागड़ी ने बताया कि मोबाइल हेल्थ टीम ढाकला, जमालपुर एवं छारा के सहयोग से डीआईईसी के माध्यम से तीन बच्चों को राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक बच्चे को लगभग बीस-बीस हजार रुपये लागत के श्रवण यंत्र प्रदान किए गए हैं। वहीं विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में किसी भी प्रकार की बीमारी या समस्या होने पर स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर उचित उपचार एवं परामर्श प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही किशोरावस्था में मित्रता क्लीनिक के माध्यम से काउंसलिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। एडीसी जगनिवास ने कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वे अपने आसपास ऐसे बच्चों की पहचान करें, जिन्हें किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या हो। समय रहते पहचान और उपचार से न केवल बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है, बल्कि परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक और मानसिक भार को भी कम किया जा सकता है। इस दौरान कार्यक्रम के नोडल अधिकारी उप सिविल सर्जन डॉक्टर पूनम बिश्नोई, उप सिविल सर्जन डॉक्टर कुलदीप, डॉक्टर सुनीता तंवर, डॉक्टर बसंत दुबे, जिला किशोर स्वास्थ्य काउंसलर संदीप कुमार जांगड़ा, डेंटल सर्जन डॉक्टर शिखा, डेंटल सर्जन डॉक्टर बृजमोहन अन्य भी मौजूद रहे।

अग्निशमन कर्मियों ने तीन दिन हड़ताल बढ़ाने का किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 12वें दिन भी जारी रही। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर चल रहे इस आंदोलन के तहत जिले के सभी दमकल केंद्रों के कर्मचारी मुख्य फायर स्टेशन पर एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। हड़ताल की अध्यक्षता जिला प्रधान सोनू हुड्डा ने की, जबकि मंच संचालन अरुण ढुल ने किया। हड़ताल को विभिन्न कर्मचारी संगठनों का भी समर्थन मिला। सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव मनजीत पांचाल, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान प्रेम घिलोडिया, नगर निगम इकाई प्रधान शंभू टांक व सचिव राकेश चांवरिया अपने साथियों सहित समर्थन देने पहुंचे। अग्निशमन यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह और कार्यकारिणी सदस्य समे राम ने बताया कि 16 फरवरी को फरीदाबाद की कालकाजी स्टील फैक्ट्री में आग बुझाते समय शहीद हुए भविचंद शर्मा और रणवीर सिंह के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की जा रही है। यूनियन ने हड़ताल को 20 से 22 अप्रैल तक तीन दिन और बढ़ाने का ऐलान किया है।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए धरना प्रदर्शन करते अग्निशमन विभाग के कर्मचारी।

आस्था

वनमाली स्वामी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

कथा सुनने के लिए इस्कॉन मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

बहादुरगढ़। इस्कॉन मंदिर में कथा सुनती महिला श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के लाइनपार में स्थित इस्कॉन मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। भक्ति करुणामयी वनमाली स्वामी महाराज ने कथा वाचन किया, जिनके ओजस्वी प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भजन-कीर्तन से गूंज उठा। /"हरे कृष्ण हरे राम/" के संकीर्तन पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वनमाली स्वामी महाराज ने कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्तों के प्रति उनकी करुणा और धर्म की स्थापना के संदेश को सरल और प्रेरणादायक उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। इसके श्रवण से व्यक्ति के भीतर आत्मिक शुद्धि, सकारात्मक सोच और भक्ति भाव का विकास होता है।

भगवान के स्मरण से मिलती है शांति

नित्यानंद आश्रयदास ने वर्तमान जीवनशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में भगवान का स्मरण ही मनुष्य को सच्ची शांति प्रदान कर सकता है। कथा सुनने से मन की अशांति दूर होती है और व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनता है। कथा का समापन सोमवार को होगा। मंदिर प्रबंधन समिति और स्वयंसेवकों ने व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया।

पदाधिकारियों और सदस्यों ने देश की खुशहाली की कामना की

बहादुरगढ़ ब्राह्मण सभा ने मनाई भगवान परशुराम की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दयानंद नगर स्थित भगवान परशुराम मंदिर में ब्राह्मण सभा बहादुरगढ़ द्वारा परशुराम जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ हवन से हुआ। ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों और सदस्यों सहित आहुति डालकर समाज और देश की खुशहाली की कामना की।

सभा के प्रधान पंडित तोताराम, संतराम, देवीदत्त, राजकुमार गौतम, राकेश कौशिक, नरेंद्र मुदगिल, संदीप गौतम, संदीप वत्स, पालेराम शर्मा व अश्वनी शर्मा आदि ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधर्म और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज को एक नई दिशा दी। भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है, उन्होंने पृथ्वी को अत्याचारियों से मुक्त कर धर्म की स्थापना की। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में समानता, न्याय और सद्भाव स्थापित किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

बहादुरगढ़। हवन में आहुति डालते ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी व सदस्य।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। कैंप में आए लोगों को परामर्श देते डॉ. नीतीश पारिक।

कैंप में 78 लोगों की जांच कर दिया परामर्श

बहादुरगढ़। शहर के दिल्ली हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम में निःशुल्क यूरोलॉजी जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 78 लोगों ने जांच करवाई। यूरोलॉजी के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. नीतीश पारिक द्वारा किडनी, पेशाब, प्रोस्टेट व पुरुष स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की निःशुल्क जांच की गई तथा उन्हें उचित परामर्श भी दिया गया। उन्होंने बताया कि पेशाब में जलन, बार-बार पेशाब आना, पेशाब में खून आना, किडनी स्टोन,आदि की जांच करवानी चाहिए व परामर्श करना चाहिए। शिविर में सत्येंद्र दहिया, संजीव शर्मा, अजय कुमार, रामअवतार, अशोक, साक्षी व दिनेश मौजूद रहे।

गौधन सेवा समिति ने हवन में डालीं आहुतियां

बहादुरगढ़। गौधन सेवा समिति द्वारा रविवार को सांखोल उपचार केंद्र पर साप्ताहिक हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें यजमान के तौर पर रामकुमार छिल्लर उपस्थित रहे। उन्होंने बेसहारा गोवंश की सेवा के लिए 11 हजार की राशि गौधन सेवा समिति को भेंट की।

चेयरमैन की चेतावनी: सार्वजनिक जगह पर कूड़ा फेंका तो कटेगा चालान

सफाई व्यवस्था चौपट, चौक-चौराहों पर लगे कूड़े के ढेर, सांस लेना दूभर

गंदगी बढ़ने से पनप रहे मच्छर दे रहे बीमारियों को बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। आलम यह है कि प्रमुख चौक चौराहों से लेकर गलियों में गंदगी के ढेर लगे हुए है। जगह-जगह गंदगी के अंबार से उठती दुर्गंध ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। शहर के माता गेट क्षेत्र, सीताराम गेट क्षेत्र, अंबेडकर चौक, शिव चौक, पुराना बीकानेर के पास, डायवर्सन मार्गो पर हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। सीताराम गेट क्षेत्र में तो स्थिति इतनी बदतर है कि कचरे के ढेर पर आवारा पशु मुंह मार रहे हैं। लोगों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। हर तरफ मक्खी-मच्छर और बदबू है। जिसके कारण बीमारियां फैलने का डर सताने लगा है। वहीं नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। जहां-जहां कूड़े के ढेर हैं, उन्हें जल्द हटाने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने शहरवासियों को भी चेताया कि सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और खाली प्लॉटों में कूड़ा डालने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। जो भी व्यक्ति सार्वजनिक जगह पर कूड़ा फेंकता पकड़ा गया, उसका मौके पर ही चालान किया जाएगा।

झज्जर। सीताराम गेट क्षेत्र में लगे कूड़े के ढेर और मुंह मारते हुए पशु। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। शहरी क्षेत्र में लगे कूड़े के ढेर। फोटो :हरिभूमि

संस्कारम कर रहा छात्रों के सपनों को साकार

झज्जर। स्कॉलरशिप टेस्ट के दौरान परीक्षा केंद्र में बैठे हुए विद्यार्थी।

■ संस्कारम विश्वविद्यालय में आयोजित स्कॉलरशिप टेस्ट में 956 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को संस्कारम विश्वविद्यालय में आयोजित स्कॉलरशिप टेस्ट में हरियाणा के विभिन्न जिलों रोहतक, भिवानी, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, झज्जर, चरखी दादरी, पानीपत, कैथल, गुरुग्राम आदि से आए 956 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों और अभिभावकों का विशेष उत्साह देखने को मिला। अभिभावकों ने विश्वविद्यालय की आधुनिक सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल क्लासरूम, समृद्ध पुस्तकालय, वाई-फाई युक्त परिसर, खेल मैदान, छात्रावास एवं अन्य व्यवस्थाओं की सराहना की। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉक्टर अजीत सिंह ने कहा कि यह स्कॉलरशिप टेस्ट केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को समान अवसर मिले और वह अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके। वहीं विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि संस्कारम विश्वविद्यालय उन सपनों को साकार करने का माध्यम है, जो संसाधनों के अभाव में अधूरे रह जाते हैं। हमारा विश्वास है कि ग्रामीण भारत की प्रतिभाएं किसी से कम नहीं हैं, उन्हें केवल सही अवसर और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। संस्कारम विश्वविद्यालय में आयोजित यह स्कॉलरशिप टेस्ट विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर दिशा देने का कार्य भी करेगा। यहां आज विद्यार्थियों के सपनों को एक नई उड़ान मिली है,जो आने वाले समय में हरियाणा की शान और भारत की पहचान बनेगी।

विकास कार्य के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने रविवार को गांव टांडाहेड़ी में नवीनीकृत चौपाल का रिबन काटकर उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने विधायक कोटे से 10 लाख रुपए की लागत से गांव में बनने वाली गली के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ भी किया। राजेश जून ने कहा कि यह चौपाल अब गांव के सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक व सामूहिक आयोजनों के लिए बेहतर और सुविधाजनक केंद्र के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी विकास कार्य के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विशेष सहयोग और आशीर्वाद से क्षेत्र में निरंतर विकास परियोजनाओं का शुभारंभ और उद्घाटन हो रहा है। इस मौके पर ग्रामीणों के साथ सरपंच भगत सिंह भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। नारियल फोड़कर गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

युवाओं की नींद चुरा रहा मोबाइल देर रात तक चलाने की लत का शिकार हो रहे अधिकांश लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मोबाइल आजकल आमजन के जिंदगी पर हावी होता जा रहा है। खासकर युवा वर्ग जहां देर रात तक मोबाइल चलाने की लत का शिकार हो रहा है वहीं गृहणियां भी अपने काम-काज को अधर में छोड़ कर मोबाइल स्क्रॉल करते हुए देखी जा सकती हैं। लोगों में देर रात तक मोबाइल चलाने की यह आदत न केवल उनकी नेत्र शक्ति कमजोर कर रही हैं बल्कि मानसिक थकान, चिड़चिड़ापन, नींद की कमी जैसी समस्याओं को भी बढ़ावा दे रही है। स्थानीय नागरिक अस्पताल के जिला अर्श काउंसलर संदीप जांगड़ा ने बताया कि आजकल नागरिक अस्पताल में नियमित ओपीडी के साथ-साथ दस से पन्द्रह मरीज ऐसे हैं जो स्मार्टफोन या अन्य डिवाइस की ब्लू लाइट के कारण नींद व मानसिक स्वास्थ्य से प्रभावित हैं। जानकारों का कहना है कि सोने से पहले मोबाइल, टेबलेट या लैपटॉप का प्रयोग करने से नींद पर असर पड़ता है। इन डिवाइसों से निकलने वाली ब्लू लाइट दिमाग को सक्रिय रखती है और इससे व्यक्ति में जहां एकाग्रता की कमी आती है वहीं वह मानसिक थकान व चिड़चिड़ेपन का शिकार भी हो जाता है। यह आदत शुरूआत में सामान्य लगती है लेकिन लंबे समय बाद यह खतरनाक साबित होती है।

मुरली वाले के भजनों पर झूमे भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्थानीय सीताराम गेट स्थित सामूदायिक भवन में एक शाम लखदातार के नाम छठा श्री श्याम वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता मनीष बंसल व अमरसिंह सैनी ने श्याम बाबा की ज्योति प्रज्वलित से किया। पंडित राजू ने मंत्रोच्चारण कर विधिवत पूजन कराया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दरबार में नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्याम बाबा का कई प्रकार के फूलों से भव्य दरबार सजाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा। मंच का संचालन धर्मेंद्र बसवाल द्वारा किया गया। मंडल के सदस्यों ने मुख्यातिथि मनीष बंसल, अमर सिंह सैनी का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। भजन गायक शिवा सागर के मंच पर पहुंचते ही श्याम बाबा के जयकारों से पंडाल गूंजने लगा। शिवा सागर ने गणेश वंदना, और श्री राम जानकी बैठे है मेरे सीने में.. ना गोरे का ना काले का घनश्याम मुरली वाले का मैं लाडला खाटू वाले का.. प्रेम मेहरा ने है दुःख भंजन मारुति नंदन सुन लो मेरी पुकार पवन सूत विनती बारम्बार..श्याम तेरी बंसी पागल कर जाती है...अक्षिता राजपूत ने देर ना हो जाए कही देर ना हो जाए...अमित कटारिया ने तूने सबकी करी तरक्की मेरी तरक्की कर दो चरणों का रहूं सेवक नौकरी पक्की कर दो...भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

झज्जर। मुख्यातिथि मनीष बंसल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए आयोजक कमेटी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जैन सेवा मंडल ट्रस्ट ने बांटा गन्ने का जूस

बहादुरगढ़। जैन सेवा मंडल बहादुरगढ़ ट्रस्ट द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान भगवान आदिनाथ जी के आहार दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को रेलवे रोड पर गन्ने के रस का वितरण किया गया। सभी ने इस पहल को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और आमजन ने भाग लिया तथा प्रसाद स्वरूप गन्ने का रस ग्रहण किया। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखते हुए प्लास्टिक के उपयोग से परहेज किया गया और पुनः उपयोग में लाए जा सकने वाले स्टील के गिलासों का इस्तेमाल किया गया, जिसकी लोगों ने खूब सराहना की। ट्रस्ट सदस्यों ने बताया कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से जहां एक ओर धार्मिक आस्था को बढ़ावा मिलता है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

दिवंगत कवि सतपाल स्नेही की याद में काव्योत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कलमवीर विचार मंच द्वारा रविवार को सेंट स्टीफन इंडियन स्कूल में काव्योत्सव का आयोजन किया गया। दिवंगत कवि सतपाल स्नेही की जयंती पर उनकी स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में कई शहरों के कवियों ने उन्हें अपने भाव पुष्प अर्पित किए। धर्मपाल धनखड़ के सानिध्य में संपन्न इस काव्योत्सव की अध्यक्षता साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ने की। हास्य कवि रसिक गुप्ता मुख्य अतिथि व हरियाणवी हास्य कवि सुंदर कटारिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अर्चना झा की सरस्वती वंदना से शुरू हुए काव्योत्सव का मंच संचालन कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित स्नेही के मित्रों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा करने के अलावा उनसे जुड़े कुछ प्रेरक संस्मरण भी सुनाए। रसिक गुप्ता, सुंदर कटारिया, गोविन्द ज्ञानी, सुरेश कौशिक व कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को हंसाया। ज्ञान प्रकाश विवेक, अर्चना ठाकुर, खेमचंद सहगल, जय सिंह जीत, मास्टर देशराज व कौशल समीर ने भी अपनी ग़ज़लें सुनाई। कुमार राघव, धर्मपाल धनखड़, जगबीर कौशिक, शिव ओम शिव, बिल्लु मांडौठी, डॉ राकेश वत्स, राजकुमार गाइड, मोहित कौशिक, मुकेश व्यास, जगदीश सहवाग व सतबीर सिंह दहिया ने भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उमेश राय का बांसुरी वादन भी प्रमुख आकर्षण रहा। सार्थक सचित व सूर्यांशी ने भी काव्य पाठ किया। सभी अतिथि कवियों को स्नेही का गज़ल संग्रह इम्तिहान बाकी है की प्रतियां सम्मान स्वरूप दी गईं। स्नेही की पुत्रवधू सृष्टि ने सभी अतिथियों का आभार जताया।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को किया नशे के दुष्प्रभाव व साइबर क्राइम के प्रति जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नशा मुक्ति टीम द्वारा क्षेत्र के गांव बहराणा में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों, आपातकालीन सेवा डायल 112 तथा साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करना रहा। नशा मुक्ति टीम में तैनात मुख्य सिपाही सपना और उनकी टीम ने बताया कि नशा व्यक्ति के जीवन को अंधकार की ओर धकेल देता है। इससे न केवल शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है, बल्कि परिवार और समाज भी प्रभावित होता है। नशे की लत व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को कमजोर करती है और पारिवारिक संबंधों में दरार पैदा कर देती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करे। सामूहिक प्रयासों से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। वहीं टीम ने आपातकालीन परिस्थितियों में डायल 112 का उपयोग करने की अपील की और बताया कि यह सेवा नागरिकों की त्वरित सहायता के लिए उपलब्ध है। इसके साथ ही साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने समझाया कि आज का युग तकनीकी युग है,जिसमें इंटरनेट और मोबाइल का व्यापक उपयोग हो रहा है। साइबर ठग लोगों को फर्जी लिंक, कॉल या संदेश भेजकर ठगी का शिकार बनाते हैं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और किसी के साथ ओटीपी साझा न करें।

झज्जर। नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

86 लोगों ने रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश, संस्था ने किया सम्मनित

मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का 758 लोगों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में जनजंच पत्रकार सोसायटी एवं संस्कारम् एजुकेशनल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कारम् हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर की टीम ने सेवाएं दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर के महंत मृत्युंजय गिरी महाराज ने की। कार्यक्रम में पंजाबी सेवा समिति, झंग बिरादरी महासभा, भारत विकास परिषद झज्जर शाखा तथा श्री संत जिंदा कल्याण सेवा समिति सहयोगी संस्थाएं रही। शिविर के दौरान कुल 758 मरीजों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आंखों, दांतों, कानों, हड्डियों, रक्त, थायराइड, बीपी एवं शुगर की जांच की गई। इसके साथ ही चर्म रोग परामर्श, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे एवं सीटी स्कैन जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं तथा आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की गईं, जिससे उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं जांच का लाभ मिला। वहीं रक्तदान शिविर में भी लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 86 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। संस्कारम् ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि इस प्रकार के शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर रोगों की पहचान और उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी, जनमंच पत्रकार सोसायटी के प्रधान तपस्वी शर्मा, श्री संत जिंदा कल्याणा सेवा समिति के प्रधान हरीश पाहवा, पंजाबी सेवा समिति के उपप्रधान वासुदेव भूटानी, महासचिव विनीत पोपली, भाजपा नेता मनीष बंसल, एडवोकेट पंकज शर्मा, कांग्रेस नेता सुभाष गुर्जर, पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा, प्राचार्य जितेंद्र सांगवान, श्वेता कौशिक, वरिष्ठ पत्रकार अमित पोपली, देवेंद्र शुक्ला, प्रदीप राज्यान, जगदीप राज्यान, रवि हसीजा, दिनेश मेहरा, राहुल चौहान, नरेश खोहाल, आशीष पोपली, संजय सहगल सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य जांच करवाने पहुंचे लोग। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। शिविर के उपरांत उपस्थित संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन महिपाल एवं चिकित्सीय टीम। फोटो : हरिभूमि